(ख) उन स्थानों का ब्यौरा क्या है जिनके लिए चयन प्रक्रिया प्रगति पर है तथा शेष स्थानों के लिये चयन प्रक्रिया कब तक प्रारंभ किये जाने की संभावना है?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा): (क) दिल्ली की 1992–94 की वर्तमान विपणन योजना में 27 एल० पी०जी० डिस्ट्रीब्यूटरशिपों को सम्मिलित कर लिया गया है जिनमें से 9 अनुसूचित जातियों के लिये आरक्षित हैं। दिल्ली की मिट्टी के तेल की डीलरशिपों की विपणन योजना को अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

(ख) चनाव प्रक्रिया एक सतत प्रक्रिया है। दिल्ली की विपणन योजना में पहले ही शामिल किये गये प्रस्तावों के संबंध में चुनाव प्रक्रिया प्रगति पर है।

Requests for Transfer of Distributorship by LPG Distributors

2934. DR. BAPU KALDATE: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether request have been made to Government by the LPG distributors of various States in the country regarding to transfer of their distributorships in Delhi State during the last three years;

(b) if so, what are the names of such distributors alongwith State-wise details thereof;

(c) whether permission regarding transfer of distributorship has been granted to them;

(d) if so, what are the State-wise details thereof; and

(e) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (CAPTAIN SATISH SHARMA): (a) to (e) According to available information, requests from the undernoted LPG distributors were received for transfer of their distributorships to Delhi:—

1. Jai Jawan Gas Service, Rourkela (Orissa).

2. Amrit Enterprises, Munger (Bihar).

3. Ratan Gas Agency, Shillong (Meghalaya).

4. Saigal Gas Agency, Varanasi (U.P.)

5. Anand Kiran Gas Agncy, Danapur (Bihar).

Permission was granted for transfer of the distributorships mentioned at (1) to (3) above. The remaining two cases were not eligible as per the guidelines on the subject.

Verification of private companies in LPG marketing

2935. SHRI V. GOPALSAMY: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether Central Government has requested various State Governments to verify the credentials of private companies seeking entry into the parallel marketing scheme for LPG and Kerosene;

(b) if so, what are the details thereof;

(c) whether any guidelines in this regard has been issued to State Governments; if so, details thereof;

(d) what is the number of companies/agencies which have applied or approached for permission to sell LPG or Kerosene; alongwith their full details;

(e) whether State Governments have recommended or considered

any of these companies or agencies after proper scrutiny; if so, the details thereof; and

(f) as on date, whether any LPG or Kerosene is being imported directly by company or agency or private sector; if so,, what are the details thereof in each case?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (CAPTAIN SATISH SHARMA): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) The State|UT Governments have been requested to verify the genuineness, antecedents and capabilities of the private agencies who intend to take up activities under the Parallel Marketing System and to take appropriate action against such parallel marketeers who have been found indulging in fraudulent and unfair trade practices.

(d) Under the Parallel Marketing System, private agencies have been allowed to import and market LPG and Kerosene at market determined prices for which they are not required to take any approval or permission from the Ministry of Petroleum & Natural Gas. However, they are required to obtain necessary clearances from statutory authorities, local bodies etc. as applicable.

(e) No such procedure is envisaged.

(f) So far 6.1 TMT of LPG and 57.8 TMT of kerosene have been imported under the parallel marketing system by different companies.

पेट्रोलियम की बचत के लिये जागरूकता पैदा किया जाना

2936. श्री राम जेठमलानी :
डा० जिनेन्द्र कुमार जैन:

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गत वर्षों के दौरान देश में कच्चे तेल के उत्पादन में निरन्तर कमी तथा पेट्रोलियम पदार्थों की खपत में निरन्तर वृद्धि के कारण पेट्रोलियम पदार्थों के आयात में वृद्धि हो रही है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि मांग को सीमित करने के लिये सरकार ने पेट्रोल, डीजल आदि की बचत के लिये जन मानस में चेतना पैदा करने हेतु कुछ कार्यवाही आरम्भ की है ;

(ग) यदि हां, तो क्या इस अभियान के तहत प्रचार माध्यमों का भी प्रयोग किया गया था;

(घ) यदि हा, तो गत तीन वर्षों के दौरान प्रचार माध्यमों पर खर्च की गई धनराशियों का वर्ष वार ब्यौरा क्या है ;

(ङ) क्या यह भी सच है कि सरकार ने देश में पेट्रोल तथा डीजल की बचत करने के लिये क्षेत्रों का पता लगाया है ; और

(च) यदि हां, तो वे क्षेत्र कौन-कौन से हैं जहां इन पदार्थों के उपयोग में बचत की संभावना विद्यमान है, तथा देश में सरकारी और निजी क्षेत्र के लिये पेट्रोल तथा डीजल की पृथक पृथक औसत वार्षिक खपत के प्रतिशत का ब्यौरा क्या है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा): (क) पेटोलियम उत्पादों के आयात में वृद्धि कम स्वदेशी शोधन-क्षमता और खपत में वृद्धि के कारण हुई है ।

(ख) और (ग) जी, हां ।